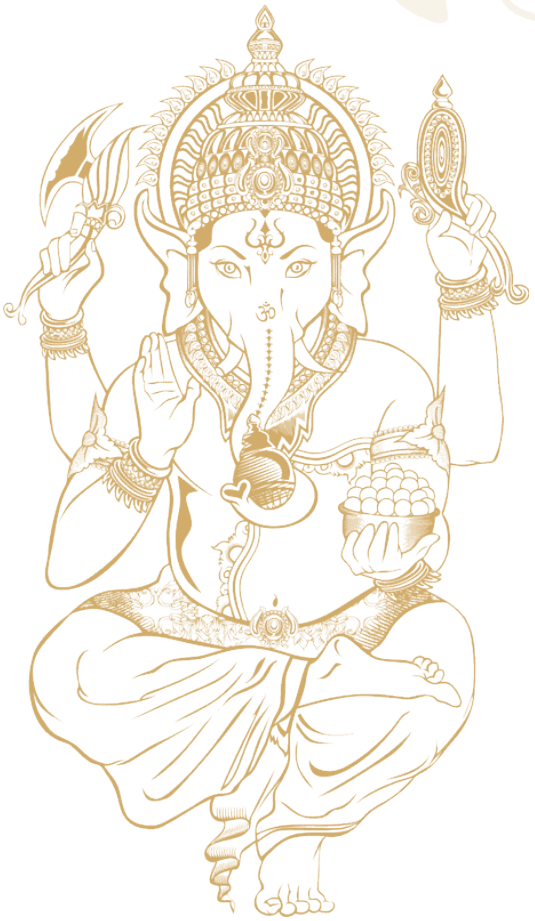

Harteek singh

12 Apr 2016

08:16 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/04/2016**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:16:00 घंटे**
इष्ट	35:28:13 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:45:28 घंटे
वेलान्तर	-00:00:43 घंटे
साम्पातिक काल	09:10:24 घंटे
सूर्योदय	06:04:42 घंटे
सूर्यास्त	18:58:21 घंटे
दिनमान	12:53:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:02:20 मीन
लग्न के अंश	16:06:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:06:39	300:25:48	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	29:02:20	00:58:50	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	09:45:13	13:45:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	14:40:28	00:03:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध			मेष	17:15:52	01:28:56	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:15:43	00:04:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	14:27:12	01:14:03	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	22:03:02	00:01:46	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	27:16:55	00:02:23	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:16:55	00:02:23	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	26:31:25	00:03:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप			कुंभ	16:57:15	00:01:48	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:23:36	00:00:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	21:03:11	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:00

लग्न-चलित

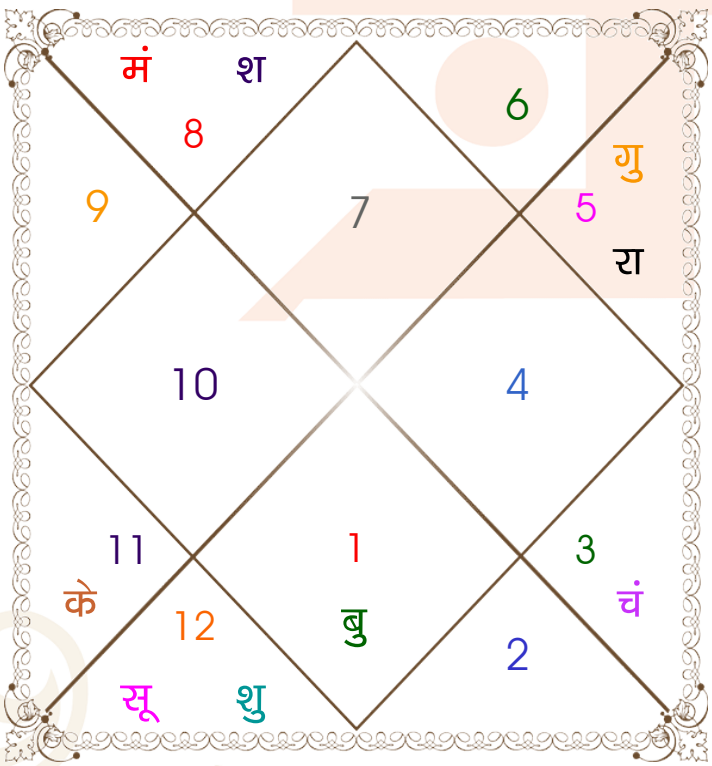

चन्द्र कुंडली

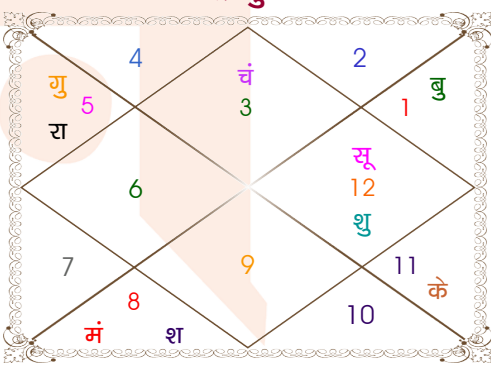

नवमांश कुंडली

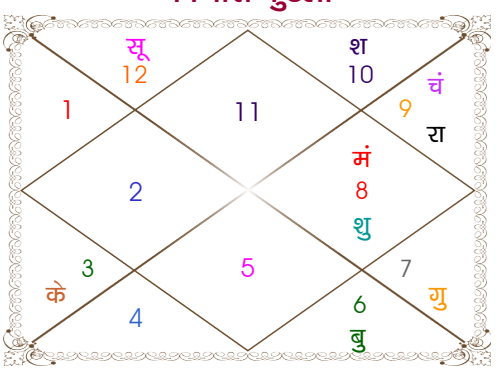

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 9 मास 30 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/04/2016		11/02/2030		11/02/2046		10/02/2065		11/02/2082	
11/02/2030		11/02/2046		10/02/2065		11/02/2082		10/02/2089	
	12/04/2016	गुरु	31/03/2032	शनि	14/02/2049	बुध	10/07/2067	केतु	10/07/2082
गुरु	19/03/2017	शनि	12/10/2034	बुध	25/10/2051	केतु	06/07/2068	शुक्र	09/09/2083
शनि	24/01/2020	बुध	17/01/2037	केतु	02/12/2052	शुक्र	07/05/2071	सूर्य	15/01/2084
बुध	12/08/2022	केतु	24/12/2037	शुक्र	02/02/2056	सूर्य	13/03/2072	चंद्र	15/08/2084
केतु	31/08/2023	शुक्र	24/08/2040	सूर्य	14/01/2057	चंद्र	12/08/2073	मंगल	11/01/2085
शुक्र	31/08/2026	सूर्य	12/06/2041	चंद्र	15/08/2058	मंगल	09/08/2074	राहु	30/01/2086
सूर्य	25/07/2027	चंद्र	12/10/2042	मंगल	24/09/2059	राहु	26/02/2077	गुरु	05/01/2087
चंद्र	23/01/2029	मंगल	18/09/2043	राहु	31/07/2062	गुरु	04/06/2079	शनि	14/02/2088
मंगल	11/02/2030	राहु	11/02/2046	गुरु	10/02/2065	शनि	11/02/2082	बुध	10/02/2089

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/02/2089		11/02/2109		12/02/2115		11/02/2125		12/02/2132	
11/02/2109		12/02/2115		11/02/2125		12/02/2132		00/00/0000	
शुक्र	12/06/2092	सूर्य	01/06/2109	चंद्र	13/12/2115	मंगल	11/07/2125	राहु	25/10/2134
सूर्य	12/06/2093	चंद्र	01/12/2109	मंगल	13/07/2116	राहु	29/07/2126	गुरु	13/04/2136
चंद्र	11/02/2095	मंगल	08/04/2110	राहु	12/01/2118	गुरु	05/07/2127		00/00/0000
मंगल	12/04/2096	राहु	02/03/2111	गुरु	14/05/2119	शनि	13/08/2128		00/00/0000
राहु	13/04/2099	गुरु	19/12/2111	शनि	13/12/2120	बुध	10/08/2129		00/00/0000
गुरु	13/12/2101	शनि	30/11/2112	बुध	14/05/2122	केतु	06/01/2130		00/00/0000
शनि	11/02/2105	बुध	07/10/2113	केतु	13/12/2122	शुक्र	08/03/2131		00/00/0000
बुध	13/12/2107	केतु	12/02/2114	शुक्र	13/08/2124	सूर्य	14/07/2131		00/00/0000
केतु	11/02/2109	शुक्र	12/02/2115	सूर्य	11/02/2125	चंद्र	12/02/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।